संगीत नाटक समाचार

संगीत नाटक अकादेमी

Sangeet Natak Akademi

अंक 12 ◆ अगस्त – सितम्बर 2007

अकादेमी के पदाधिकारी

अध्यक्ष
श्री राम निवास मिर्धा

उपाध्यक्ष
श्री कावालम नारायण पनिक्कर

वित्तीय सलाहकार
श्री आर.सी. मिश्रा

सचिव
श्री जयंत कस्तुआर

इस अंक में

अतुल्य भारत @ 60, न्यूयार्क, यू.एस.ए. 1
संगीत प्रतिभा, पुणे 3
दिल्ली में अकादेमी के मासिक कार्यक्रम – पारम्परिक पुतुलकला/रंगमंच/फिल्म/वीडियो रिपोर्ट 4
हिन्दी पखवाड़ा 5
प्रलेखन 5
अकादेमी पुस्तकालय द्वारा उपार्जित विशेष पुस्तकें 5
संगीत नाटक अकादेमी के घटक एकक 6
संगीत नाटक अकादेमी के वीडियो–आडियो 7
स्मृति में 8

अतुल्य भारत @ 60, न्यूयार्क, यू.एस.ए.

अतुल्य भारत @ 60 समारोह का आयोजन, न्यूयार्क में 23 से 26 सितम्बर, 2007 तक, भारत सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मन्त्रालय, कपड़ा मन्त्रालय तथा कन्फडरेशन ऑफ इण्डियन इंडस्ट्रीज़ के सहयोग से किया गया। संस्कृति मन्त्रालय के अनुरोध पर, संगीत नाटक अकादेमी ने समारोह में नृत्य प्रस्तुत किये, जिसमें भारत के शास्त्रीय नृत्यों एवं विभिन्न राज्यों (मणिपुर, मिज़ोरम, नागालैण्ड, सिक्किम, पंजाब, उत्तर प्रदेश, गुजरात एवं पश्चिम बंगाल, आदि) के लोक एवं जनजातीय नृत्य भी शामिल थे। इस समारोह का उद्घाटन 23 सितम्बर को ऐवेरी फिशर सभागार, लिंकन सेन्टर, न्यूयार्क में किया गया। 23 से 25 सितम्बर तक ब्रेयन्ट पार्क में तथा 24 से 26 सितम्बर, 2007 तक साउथ स्ट्रीट सीपोर्ट में जनजातीय लोक संगीत एवं भारतीय नृत्य के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मैत्रेयी पहाड़ी द्वारा पुंगचोलम, यक्षगान, थियाम एवं मोहिनीआट्टम की प्रस्तुति से हुआ, तत्पश्चात् माधवी मुद्गल द्वारा समूह नृत्य संरचना प्रस्तुत की गयी जिसमें, ओडिसी, भरतनाट्यम, कथकलि, मणिपुरी एवं कथक नृत्य शामिल थे। ओडिसी नृत्य समूह का नेतृत्व माधवी मुद्गुल ने, भरतनाट्यम का गीता चन्द्रन, मणिपुरी का चारू सिजा माथुर एवं मोहिनीआट्टम का विजय लक्ष्मी ने किया। प्रेरणा श्रीमाली के नेतृत्व में कथक केन्द्र रेपर्टरी, दिल्ली ने कथक नृत्य, एवं इंटरनेशनल सेन्टर फॉर कथकलि ने कथकलि नृत्य की प्रस्तुति की। माधवी मुद्गल, गीता चन्द्रन, चारू सिजा माथुर एवं प्रेरणा श्रीमाली द्वारा प्रस्तुत पुनः प्रदर्शन में एकल प्रस्तुतियां पेश की गईं।

ओडिसी नृत्य प्रस्तुति

गिद्धा : पंजाब का लोक–नृत्य

उद्घाटन समारोह लिंकन सेन्टर में आयोजित हुआ जिसमें भारत सरकार के विदेश मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी, वित्त मंत्री श्री पी. चिदम्बरम, कपड़ा मंत्री श्री एस. वघेला एवं पूर्वोत्तर राज्यों के कई मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। इस अवसर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में भारत के राजदूत श्री रोनेन सेन भी उपस्थित थे। सी.आई.आई. के चेयरमैन श्री सुनील मित्तल के स्वागत भाषण के उपरान्त श्री प्रणव मुखर्जी ने समारोह को सम्बोधित किया। लिंकन सेन्टर में आयोजित उद्घाटन समारोह का संचालन श्री कबीर बेदी ने किया।

लोक नृत्य के कार्यक्रम का उद्घाटन 23 सितम्बर 2007 को ब्रेयन्ट पार्क में किया गया। ब्रेयन्ट पार्क एवं साउथ सीपोर्ट दोनों स्थानों पर प्रदर्शन प्रतिदिन 11.00 बजे प्रातः से शुरू होकर 9.00 बजे सायं समाप्त होता था। विभिन्न राज्यों से आये लगभग सत्तर लोक एवं जनजातीय कलाकारों ने इस समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन किया। लोक एवं जनजातीय नृत्यों के अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय द्वारा आमंत्रित कॅलोनियल म्यूजिक ग्रुप के कार्यक्रम की प्रस्तुति भी समारोह में की गई। इस म्यूजिक ग्रुप का नेतृत्व रेमो फर्नांडीस एवं शिवमणि कर रहे थे। कथक केन्द्र के कार्यक्रम अधिकारी श्री राघव राज भट ने ब्रेयन्ट पार्क में आयोजित कार्यक्रमों की प्रस्तुति की।

संगीत नाटक अकादेमी के सचिव श्री जयन्त कस्तुआर के अतिरिक्त न्यूयॉर्क में आयोजित समारोह में अकादेमी के जिन तकनीकी विशेषज्ञों तथा अकादेमी के अधिकारियों ने भाग लिया उनके नाम हैं : गौतम भट्टाचार्य (प्रकाश व्यवस्था), वेद पहूजा (मंच सज्जा), समीर विष्णु कृपलानी (ध्वनि विशेषज्ञ)। कार्यक्रम में अकादेमी के जिन अधिकारियों ने भाग लिया वे हैं : डी. दास गुप्ता, उपसचिव (समन्वय) एवं हेलेन आचार्य, उपसचिव (नृत्य)।

संगीत प्रतिभा, पुणे

पश्चिमांचल के युवा संगीतकारों पर केन्द्रित एक समारोह 11 से 14 अगस्त 2007 तक ललित कला केन्द्र की भीम सेन जोशी चेयर व सेन्टर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के सहयोग से कार्व रोड स्थित गारवाड़े कॉलेज सभागार, पुणे विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ। रंगमंच के ख्याति प्राप्त कलाकार व अकादेमी सम्मानित डॉ० श्रीराम लागू ने 11 अगस्त 2007 को इस समारोह का उद्घाटन किया।

समारोह में वीणा, जलतरंग, सारंगी, शहनाई, सुन्दरी एवं सरोद पर कर्नाटक संगीत के उन्नत गायन के अतिरिक्त असम का बोरगीत, मणिपुर का नटसंकीर्तन, उड़ीसा का ओडिसी संगीत एवं राजस्थानी वाद्य संगीत विशेष उल्लेखनीय रहें।

श्री कावालम नारायण पनिक्कर, उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी की उपस्थिति ने समापन समारोह की शोभा बढ़ाई। पुणे के रसिकों ने समारोह की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

ऊपर : प्रख्यात नाट्य कलाकार एवं अकादेमी सम्मानित डॉ० श्रीराम लागू संगीत प्रतिभा उत्सव का उद्घाटन करते हुए। साथ में हैं संगीत नाटक अकादेमी की उपसचिव, श्रीमती ऋतास्वामी चौधरी, एवं कार्यक्रम अधिकारी, श्री राजू दास।

ऊपर दायें : *रुपायन संस्थान, जोधपुर, राजस्थान का पारंपरिक वाद्य।*

मध्य दायें : *स्तुति बानी ठकुरिया (बोरगीत)।*

नीचे दायें : *श्री कावालम नारायण पनिक्कर, उपाध्यक्ष, संगीत नाटक अकादेमी ने 15 अगस्त 2007 को कला छाया (शैक्षिक, अभिनय एवं ललित व प्रदर्शनकारी कलाओं के अनुसंधान का एक केन्द्र) का अवलोकन किया। कला दीर्घा में वे चित्रों को निहारते हुए।*

कार्यक्रम विवरण

11 अगस्त, शनिवार, सायं 6.00 बजे

अहमद अब्बास खान एवं हसन हैदर खान, कोलकाता : शहनाई

चेतना बनावट, वनस्थली : हिन्दुस्तानी गायन

मिलिन्द तुलानकर, पुणे : जलतरंग

विकास भारद्वाज,कोटा : सितार

12 अगस्त, रविवार, प्रातः 10.00 बजे

गोपाल जगदेव एवं ग्रुप, लातूर : पखावज

अमीरूद्दीन खान एवं फारूख खान, जयपुर : सारंगी

पुष्कर लेले, पुणे : हिन्दुस्तानी गायन

12 अगस्त, रविवार, सायं 6.00 बजे

देवानन्द यादव, औरंगाबाद : हिन्दुस्तानी गायन (ध्रुपद)

डी. श्रीनिवास, हैदराबाद : कर्नाटक वीणा

आरती आर. नायक, गोवा : हिन्दुस्तानी गायन

हिमांशु महंत, बड़ौदा : तबला

13 अगस्त, सोमवार, सायं 6.00 बजे

अल्लारखा कलावन्त, अहमदाबाद : सारंगी

सानिया पटनाकर, पुणे : हिन्दुस्तानी गायन

अर्नाब चक्रवर्ती, मुम्बई : सरोद

14 अगस्त, मंगलवार, सायं 6.00 बजे

विश्वजीत बोड़वानकर, मुम्बई : हिन्दुस्तानी गायन

भिमण्णा जाधव, सोलापुर : सुन्दरी

रूपेश काशीनाथ गावास, गोवा : हिन्दुस्तानी संगीत

अंकित भाट, जयपुर : सितार

विशेष सत्र

क्षेत्रीय सांगीतिक परम्पराएं

नामदेव सभागृह आर्ट्स फैकल्टी,
पुणे विश्वविद्यालय

13 अगस्त, सोमवार, प्रातः 10.00 बजे

स्तुति बानी ठाकुरिया, गुवाहाटी : बोरगीत, असम

रूपायन संस्थान, जोधपुर, राजस्थान के पारम्परिक वाद्य

14 अगस्त, मंगलवार, प्रातः 10.00 बजे

भारती जेना, भुवनेश्वर : ओडिसी संगीत, उड़ीसा

गायत्री देवी एवं ग्रुप, इम्फाल : नटसंकीर्तन, मणिपुर

पारम्परिक पुतुलकला / रंगमंच / फिल्म / वीडियो रिपोर्ट

कठपुतली का खेल

पारम्परिक पुतुल के मासिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत, राजस्थान की पारम्परिक धागा पुतुल पर आधारित *कठपुतली का खेल* शीर्षीय प्रदर्शन का आयोजन 21 सितम्बर, 2007 को सायं 6.30 बजे मेघदूत थियेटर–2, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में हुआ। श्री प्रेम भाट एवं उनके जोधपुर के ग्रुप ने *अमर सिंह राठौर* की वीरगाथा का प्रदर्शन किया।

काठ या लकड़ी से बना पुतुल – कठपुतुली का खेल दिखाने वाले कलाकार नट या भाट होते हैं – घुमंतु समुदाय, जो ग्रीष्मकाल के दौरान पुतुल नाटक दिखाते हैं और वर्षा होने के पश्चात् अपने खेतों को जोतने के लिए अपने गाँव लौट आते हैं।

राजस्थान में प्रदर्शन कलाओं की गाथाएं अधिकतर स्थानीय वीरों के इर्द–गिर्द घूमती हैं। सत्रहवीं शताब्दी में नागौर का शासक अमर सिंह राठौर, जहां से पुतुल कलाकारों का समुदाय अपने उद्‌भव का दावा करता है, एक महान संरक्षक था जिसके वीरोचित कार्यों और मृत्यु के गीत, गाये एवं प्रदर्शित किये जाते हैं। वर्तमान समय के पुतुल प्रदर्शन में बादशाह के न्यायालय में उसकी उपस्थिति दिखाई जाती है (जिसे मुगल बादशाह अकबर समझा जाता है), राजा को खुश करने के लिए एक जादूगर, एक कलाबाज़, नाच दिखाने वाली अनारकली, ढोलची खड़बड़ खाँ आदि अपने करतब दिखाते हैं। चरित्रों की सूची में जादूगर, बहरूपिया धोबिन, सकरू जुलाही – एक महिला दरी बुनकर, जो रूई चुराती है और एक नौ गज़ पीर का पुतुल होते हैं।

कठपुतली के सिर अधिकतर आम की लकड़ी काटकर बनाये जाते हैं और उनकी विशिष्ट शैली के अनुसार बनाई गई आंखों पर सफेद या पीला रंग पोत दिया जाता है। ये कठपुतलियां 60 सेंटीमीटर तक ऊंची होती हैं और इन्हें राजस्थानी परिधान, जैसा कि मध्यकालीन चित्रकला में देखने में आता है, पहनाये जाते हैं। इनका धड़ कपड़े और चीथड़ों से भर कर बनाया जाता है। कुछ अपवादों को छोड़कर, इन पुतुलों के पांव नहीं होते और कमर से नीचे इन्हें हल्की सामग्री के लंबे, भारी चुन्नटदार लहंगे पहनाये जाते हैं।

रणछोर एवं सुरेश भाट ने कठपुतुलियों को चलाया। मंच के सामने सहयोगी संगीतकार प्रेम भाट ढोलक बजा रहे थे जबकि फिरोज़खान गायन के साथ–साथ हारमोनियम व कदताल पर संगत दे रहे थे। प्रेम भाट ने सूत्रधार की भूमिका निभायी। कार्यक्रम के समापन के पश्चात आगन्तुकों के साथ आये बच्चों ने भी कठपुतलियों को धागे से चलाया व आनन्दित हुए। लगभग दो सौ आगन्तुकों ने प्रदर्शन का आनन्द लिया, इनमें से अधिकांश लोग तो ज़ोरदार बारिश में भीगते हुए आये।

कठपुतलीः राजस्थान का धागा पुतुल

हिन्दी पखवाड़ा

अकादेमी के मेघदूत थियेटर–2 में हिन्दी पखवाड़े का आयोजन 14 – 28 सितम्बर, 2007 तक किया गया। हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारम्भ अकादेमी सचिव के सन्देश से हुआ जिसमें उन्होंने राजभाषा हिन्दी के उत्तरोत्तर विकास के उद्देश्य से अकादेमी के समस्त कार्मिकों से रोजमर्रा के कार्यालयी कार्यों को हिन्दी में करने का अनुरोध किया। पखवाड़े में चार प्रतियोगिताएं – श्रुतलेख, टिप्पण व प्रारूपण, निबन्ध लेखन एवं अनुवाद – आयोजित की गयी। अकादेमी के पचास से भी अधिक कर्मियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अकादेमी सचिव श्री जयन्त कस्तुआर ने प्रतिभागी कार्मिकों को एक समारोह में नकद पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया।

संसदीय राजभाषा समिति की सिफारिशों के अनुरूप, 11 सितम्बर, 2007 को अकादेमी में तिमाही हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें पचीस से अधिक कार्मिकों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन श्री एस. सी. भूटानी, सेवानिवृत्त वरिष्ठ संसदीय भाषान्तरकार एवं परामर्शदाता (राजभाषा) ने किया, जिसमें उन्होंने अनुवाद की कला एवं तकनीक पर प्रकाश डाला और उपस्थित कार्मिकों की अनुवाद सम्बन्धी शंकाओं का निवारण किया।

प्रलेखन

संगीत स्वर्ण तुला (मराठी म्यूजिकल थियेटर), 4 अगस्त, 2007 को इण्डिया इण्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली में डॉ. बसन्तरॉव देशपाण्डे प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित। *वीडियो – 02.42 घंटे एवं 25 फोटो।*

संगीत प्रतिभा : युवा संगीतकार समारोह, पुणे, 11-14 अगस्त, 2007। *17 घंटे का ऑडियो वीडियो, 250 फोटो।*

श्री तिरूपुनथुरूथी वी. वेंकटेशन द्वारा 13 सितम्बर, 2007 को नई दिल्ली में विशेष सत्र में कर्नाटक शास्त्रीय (गायन) संगीत प्रस्तुति। *02 घंटे का ऑडियो व वीडियो, 30 फोटो।*

18 से 19 सितम्बर, 2007, नई दिल्ली में लोक पारम्परिक प्रदर्शनकारी कलाओं की झलक। *02.30 घंटे का वीडियो, 300 फोटो।*

आक्टेव 2007 – उत्तर–पूर्व समारोह हैदराबाद, 19 सितम्बर, 2007, 18-25 मार्च, 2007। *16.33 घंटे का वीडियो, 300 फोटो।*

अकादेमी पुस्तकालय द्वारा उपार्जित विशेष पुस्तकें

अंग्रेजी पुस्तकों की सूची

इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटानिका 2007: बुक ऑफ द इयर / एडीटरः करन जैकबस स्पार्कस, शिकागो, यू. एस.ए.: इन्साइक्लोपीडिया ब्रिटानिका 2007

डे, मन्ना
मेमोरिज़ कम अलाइव : ऐन आटोबायोग्राफी, ट्रान्सलेटेड फ्राम द बंगाली इनटु इंग्लिश बाइ शर्बाणी पुतातुदं, नई दिल्ली, पेंगुविन बुक्स 2007

हेजमदी, प्रियंवदा मोहन्ती एण्ड अहल्या हेजमदी पटनायक
ओडिसी – एन इंडियन क्लासिकल डांस फॉर्म, नई दिल्ली, आर्यन बुक इण्टरनेशनल, 2007

दुर्गा, एस.ए.के.
वॉयस कल्चर, द आर्ट ऑफ वायस कल्टीवेशन दिल्ली : बी. आर. रिद्मस् 2007

वाडिया, अन्जेला
ब्राडकास्ट मैनेजमेंट इन इंडिया, मेजर गाइडलाइन्स एण्ड पॉलिसी फ्रेमवर्कस, नई दिल्ली, कनिवाल पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2007

मिश्रा (पं.) छोटेलाल
प्लेइंग टेक्निक्स ऑफ तबलाः बनारस घराना नई दिल्ली, कनिष्क पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, 2007

ज़ैदी ज़ाहिदा
मोड्स ऑफ कम्यूनिकेशनः एसेज एण्ड स्टडीज़ इन माडर्न ड्रामा, अलीगढ़, यू.पी. अब्सबार पब्लिकेशन, 2005

सिन्हा विश्वजीत
साउथ इंडियन थियेटर, नई दिल्ली : राज पब्लिकेशन्स, 2007

टैगोर रवीन्द्रनाथ
(इंग्लिश वर्क) *द इंग्लिश राइटिंग्स ऑफ –* रवीन्द्रनाथ टैगोर वो. 3: *ए. मिसलैनी, ऐडिटेड बाई* शिविर कुमार दास, सेकेण्ड रि., ऐडि. नई दिल्ली साहित्य अकादेमी, 2006

इनसाइक्लोपीडिया ऑफ ऐशियन थियेटर वो–1: ए. एन. ऐडिटेड बाइ सेमुअल एल. लिटर, वेस्ट पोर्ट, कानेक्टिकट : ग्रीनवुड प्रेस 2007

इथनोम्युजिकोलाजी : ए कन्टेमपरेरी रीडर, एडीटेड बाई, जेनिफर सी. पोस्ट. न्यूयार्क : रूटलेज 2006

गोवनर एम्मा, हेलेन, निकोलसन एवं कैटी नार्मिंगटन
मेंकिंग ए परफार्मेन्सः डिवाइसिंग हिस्ट्रीज एण्ड कंटेमपरेरी प्रैक्टिसेज, लंदन, रूलेज, 2007

क्लेअन मार्टिन
म्यूज़िक, टाइम एण्ड प्लेस : एसेज इन कम्परेटिव म्यूज़िकोलॉजी, दिल्ली, बी. आर. रिद्मस् 2007

हिन्दी

आबिद, ज़फर
सदाबहार सिनेमा, मुम्बई, 2006

तेन्दुलकर, विजय
कुट्टी, सुषमा बक्शी द्वारा हिन्दी में अनूदित, नई दिल्ली; राजकमल प्रकाशन, 2007

वर्मा, रामगोपाल
मिर्ज़ा ग़ालिब : रंगमंचीय नाटक, नई दिल्ली किताब घर, 2007

मखमूर सय्यदी एवं अनीस आज़मी
सम्पादन उर्दू थियेटर : *कल और आज,* हिन्दी अनुवाद नई दिल्ली, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, 2006

रे सत्यजीत
विषय : *चलचित्र,* बंगाली से हिन्दी में रामशंकर शर्मा द्वारा अनूदित नोयडा, उ. प्र.
रेमा धाव प्रकाशन 2007

राठौर विक्रम सिंह
राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास : मारवाड़ के सन्दर्भ में : जोधपुर, राजस्थानी साहित्य संस्थान, 2007

रॉय, राजनारायण
तलाश (नाटक), पटना बिहारः जानकी प्रकाशन 2007

सिन्हा, सुरेखा
भारतीय रंगकुर, जयपुर, श्याम प्रकाशन 2006

गोपीचंद नारंग, (सम्पादन)
बींसवीं शताब्दी में उर्दू साहित्य, नई दिल्ली, साहित्य अकादेमी 2005

मोहम्मद याकू
उर्दू से अनुवाद, नई दिल्ली साहित्य अकादेमी 2005

देवधर, सुनील केशव
मोहन से महात्मा तथा अन्य रूपक – दिल्ली : शिपायन 2007

जैसवाल, नवल
फोटो पत्रकारिता, नई दिल्ली : सामयिक प्रकाशन 2007

आनन्द, महेश
रंग दस्तावेज : सौ साल (1850-1950), नई दिल्ली : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 2007

आनन्द, महेश
रंग दस्तावेज : सौ साल (1850-1950), वोल्यूम–2 नई दिल्ली : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय 2007

भारद्वाज, महेश
भारती की श्रेष्ठ लोक कथाएं, नई दिल्ली, सुनील साहित्य सदन 2007

प्रसाद, जयशंकर
(ऐतिहासिक नाटक) *प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक,* दिल्ली : मेघ प्रकाशन 2007

मनराल, कुन्दन सिंह 'पहाड़ी'
कुमाऊनी रामायण, नई दिल्ली : तक्षशिला प्रकाशन 2007

संगीत नाटक अकादेमी के घटक एकक

कथक केन्द्र, नई दिल्ली

दीक्षान्त समारोह, 2007

केन्द्र का दीक्षान्त समारोह 6 सितम्बर, 2007 को मेघदूत थियेटर, रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में आयोजित हुआ। समारोह का उद्‌घाटन श्री कावालम नारायण पनिक्कर, अध्यक्ष, कथक केन्द्र सलाहकार समिति के द्वारा किया गया। प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना श्रीमती कुमुदिनी लाखिया ने अकादेमी सचिव श्री जयंत कस्तुआर, निदेशक, कथक केन्द्र; श्रीमती किरण भटनागर एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में दीक्षान्त भाषण दिया।

श्रीमती कुमुदिनी लाखिया ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के 28 छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किये। समारोह में केन्द्र के डिप्लोमा प्राप्त छात्र–छात्राओं में से कुछ छात्रों ने एकल, युगल व समूह नृत्य संरचना प्रस्तुत की। समूह नृत्य संरचना श्री जयकिशन महाराज द्वारा तैयार की गई।

प्रायोजित कार्यक्रम

भारत की स्वतन्त्रता प्राप्ति के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भूटान में उत्सव
भारतीय सांस्कृतिक परिषद् ने केन्द्र को 13 से 21 अगस्त 2007 तक उत्सव में अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। इस उत्सव में केन्द्र द्वारा श्रीमती गीतांजलि लाल की समूह नृत्य संरचनाएं प्रस्तुत की गईं, उनके नाम हैं : *शिव–शक्ति, सहेली, चण्डालिका, तराना* एवं *वन्देमातरम्*।

कथक केन्द्र रेपर्टरी, नई दिल्ली

कथक केन्द्र ने अपनी रेपर्टरी 1 अगस्त 2007 से पुनः आरम्भ की। सुश्री प्रेरणा श्रीमाली को रेपर्टरी चीफ नियुक्त किया गया। चार कोर नर्तक और तीन नैमेत्तिक नर्तकों को रेपर्टरी के लिए नियुक्त किया गया।

श्रीमती कुमुदिनी लाखिया द्वारा रेपर्टरी के लिए 1 से 14 अगस्त 2007 तक कार्यशाला संचालित की गई। केन्द्र ने रेपर्टरी नर्तकों के लिए केरल के श्री गोपीनाथ, कलरी विशेषज्ञ, द्वारा 11 अगस्त 2007 को कलरी कार्यशाला आयोजित की।

ऊपरः जयकिशन महाराज द्वारा निर्मित कथक प्रस्तुति।
नीचेः प्रख्यात कलाकार कुमुदिनी लाखिया, उत्तीर्ण छात्रा को डिप्लोमा प्रदान करती हुई। मध्य में हैं कावालम नारायण पनिक्कर, अध्यक्ष कथक केन्द्र; दायीं ओर जयंत कस्तुआर, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी एवं बायीं ओर किरण भटनागर, निदेशक, कथक केन्द्र।

जवाहरलाल नेहरु मणिपुर डॉंस एकेडमी, इम्फाल

कार्यशाला एवं व्याख्यान प्रदर्शन कार्यक्रम

जवाहरलाल नेहरु मणिपुर डॉस एकेडमी ने 17 से 22 अगस्त 2007 तक सरायकेला छड पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। श्री शशधर आचार्य ने कार्यशाला का संचालन किया जिसमें निर्माण इकाई के कलाकारों ने भाग लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम : आइज़ोल

असम रायफल्स द्वारा अपने 125 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में अकादेमी ने 31 अगस्त व 1 सितम्बर, 2007 को आइज़ोल में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की।

चक्रधर समारोह

एकेडमी के 24 सदस्यीय दल ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित समारोह में भाग लिया। समारोह में 1 सितम्बर 2007 को मणिपुरी डॉस एवं संगीत के एक कार्यक्रम की भी प्रस्तुति की गई। उपस्थित रसिकों ने कार्यक्रम का भरपूर आनन्द उठाया।

संगीत नाटक अकादेमी के वीडियो–ऑडियो

क्र. स.	शीर्षक	निर्देशक / संग्रहीत	भाषा	रंगीन / श्वेत–श्याम	समयावधि	मूल्य (रू.)
वीडियो सीडीज़						
1.	उस्ताद बड़े गुलाम अली खान	हरी दास गुप्ता	हिन्दी / अंग्रेजी	श्वेत / श्याम	29 मिनट	295
2.	उस्ताद अलाउद्दीन खान	हरी दास गुप्ता	अंग्रेजी	श्वेत / श्याम	24 मिनट	295
3.	रामायण इन कोडियाट्टम एण्ड कथकलि	संगीत नाटक अकादेमी	अंग्रेजी	रंगीन	21 मिनट	295
4.	छायानाटक	जीवन पाणि	अंग्रेजी	रंगीन	20 मिनट	295
5.	फॉक एण्ड ट्राइबल डांस ऑफ इंडिया	संगीत नाटक अकादेमी	अंग्रेजी	रंगीन	18 मिनट	295
6.	तनवरम	संगीत नाटक अकादेमी	संगीत	रंगीन	31 मिनट	295
7.	संगाई – डांसिंग डियर ऑफ मणिपुर	अरिवम श्याम शर्मा	संगीत	रंगीन	44 मिनट	295
8.	भूताराधना	बी. वी. कारंत	संगीत	रंगीन	22 मिनट	295
9.	सेमनगुड्डी	भास्कर चन्द्रावरकर	अंग्रेजी	रंगीन	20 मिनट	295
10.	सेमनगुड्डी	भास्कर चन्द्रावरकर	अंग्रेजी	रंगीन	30 मिनट	295
11.	सेमनगुड्डी	भास्कर चन्द्रावरकर	अंग्रेजी	रंगीन	58 मिनट	295
12.	पार्वती विरहमः मणि माधव चाक्यार ऐज रावना	के. एन. पनिक्कर	अंग्रेजी (उपशीर्षीय)	रंगीन	35 मिनट	295
13.	कंगलाई हरोबा	अरिबम श्याम शर्मा	अंग्रेजी	रंगीन	36 मिनट	295
14.	मणि माधव चाक्यार : द मास्टर एट वर्क	के. एन. पनिक्कर	अंग्रेजी	रंगीन	30 मिनट	295
15.	बेहदेखलम	सुजाता मिरि	अंग्रेजी	रंगीन	16 मिनट	295
16.	अंग–तरंग, मयूरभंज छड	जीवन पाणि	अंग्रेजी	रंगीन	17 मिनट	295
17.	पंडानलुअर : सुवार्या पिल्लै	लक्ष्मी विश्वानाथन्	अंग्रेजी	रंगीन	26 मिनट	295
18.	अंग तरंगः मयूरभंज छड	जीवन पाणि	अंग्रेजी	रंगीन	41 मिनट	295
19.	एन ऑक्टेव इन हारमोनी	सुष्मित बोस	अंग्रेजी	रंगीन	32 मिनट	295
20.	के. पी. किटप्पा	मना श्रीनिवासन	तमिल (उपशीर्षीय)	रंगीन	53 मिनट	295
ऑडियो सीडीज़						
21.	विन्ड इन्स्ट्रूमेन्ट्स ऑफ इंडिया				47 मिनट	295
22.	स्ट्रिंग इन्स्ट्रूमेन्ट्स ऑफ इंडिया				47 मिनट	295
23.	परकुशन इन्स्ट्रूमेन्ट्स ऑफ इंडिया				54 मिनट	295
24.	विन्ड इन्स्ट्रूमेन्ट्स ऑफ इंडिया (एसजीएम)				43 मिनट	295
25.	स्ट्रिंग इन्स्ट्रूमेन्ट्स ऑफ इंडिया (एसजीएम)				47 मिनट	295
26.	परकुशन इन्स्ट्रूमेन्ट्स ऑफ इंडिया (एसजीएम)				54 मिनट	295
27.	अहमदजान थिरकवा (सा रे गा मा)				68.23 मिनट	295
28.	अमीर खान (सा रे गा मा)				72.33 मिनट	295
29.	बिस्मिल्ला खान (सा रे गा मा)				59.8 मिनट	295
30.	बड़े गुलाम अली खान (एस.एन.ए.)				68.37 मिनट	295
31.	बिस्मिल्ला खान (एस.एन.ए.)				43.25 मिनट	295
32.	अमीर खान (एस.एन.ए.)				62 मिनट	295

उपरोक्त वीडियो / ऑडियो सीडीज़ एक निश्चित समयावधि में 40 प्रतिशत की छूट के साथ संगीत नाटक अकादेमी, रवीन्द्र भवन, फिरोज़शाह रोड, नई दिल्ली–110001 में उपलब्ध हैं।

दूरभाष : 23387246-8, 23382495, 23385709. फैक्स : 23385715/23382659.

ई–मेल : sangeetnatak@bol.net.in. Website: www.sangeetnatak.org

स्मृति में

संगीत नाटक अकादेमी एवं इससे सम्बद्ध निकाय अकादेमी सम्मानित श्रीमती रोशन अल्काजी एवं प्रख्यात छउ नर्तक एवं गुरु श्री मदन मोहन लेंका के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं।

रोशन अल्काजी

श्रीमती रोशन अल्काजी का जन्म सन् 1923 में बम्बई में हुआ। उन्होंने विक्टोरिया एवं अल्बर्ट म्यूज़ियम, लन्दन में कास्ट्यूम डिज़ाइनिंग की शिक्षा प्राप्त की।

परिधान सज्जा के 50 वर्षों से अधिक की कालावधि में पहले वे बम्बई के थियेटर ग्रुप एवं थियेटर यूनिट तत्पश्चात् राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध रहीं। उन्होंने *डैन्ट्नस डेथ, होरी, जस्मॉ, ओडन, किंग लियर, ओथेलो* व टी.वी. धारावाहिक *मुल्ला नसिरुद्दीन* सहित सत्तर से अधिक प्रस्तुतियों में परिधान सज्जा की।

श्रीमती अल्काजी ने नई दिल्ली पॉलीटेक्निक में कास्ट्यूम डिज़ाइनिंग का अध्यापन किया, साथ ही साथ अनेक वर्षों तक वे बाल रंगमंच से जुड़ी रहीं। उन्होंने कास्ट्यूम डिज़ाइनिंग पर लेखन कार्य भी किया जिनमें प्राचीन भारतीय परिधान व मध्यकालीन भारतीय परिधान पर लिखी गयी उनकी पुस्तकों को काफी ख्याति मिली। उन्होंने दो संग्रह *'सेवेन्टीन पोयम्स एवं सेवेन्टीन मोर पोयम्स'* की रचना की। वे अपनी खुद की समसामयिक कला दीर्घा–दिल्ली की निदेशक भी रहीं।

श्रीमती रोशन अल्काजी को भारतीय रंगमंच में कास्ट्यूम डिज़ाइनिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 1990 में संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

श्रीमती रोशन अल्काजी का 29 अगस्त, 2007 को दिल्ली में देहावसान हो गया।

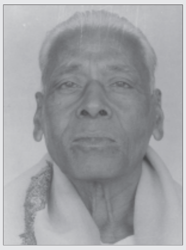

मदन मोहन लेंका

बारीपाद में सन् 1914 में जन्में श्री मदन मोहन लेंका ने मयूरभंज के तत्कालीन राजघराने द्वारा पोषित उत्तारसाही छउ अखाड़ा में छउ नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उनके गुरु थे – सर्वश्री कन्द्राबाबू, चन्द्रमोहन तराय, वैष्णवजीत बाबू एवं मुकुन्द चन्द्र सामल। आगे चलकर श्री लेंका मयूरभंज कोर्ट में नर्तक के रूप में जाने गये।

श्री मदन मोहन लेंका गुरु व नर्तक दोनों रूपों में मयूरभंज छउ के प्रति पूर्णरूपेण समर्पित रहे। पुरानी पीढ़ी के उत्कृष्ट नर्तकों में से एक श्री लेंका उत्तरसाही शैली में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए कला जगत में याद किये जाते हैं। उनकी अनेक मौलिक नृत्य संरचनाएं आज छउ रंगपटल के लिए आदर्श हैं। मयूरभंज छउ नृत्य प्रतिष्ठान में बतौर गुरू उन्होंने बड़ी संख्या में छात्रों को प्रशिक्षित किया जिनमें से अनेक आज प्रसिद्ध नर्तक हैं। अपने सुदीर्घ व्यावसायिक जीवन काल में उन्हें वर्ष 1978 में उड़ीसा संगीत नाटक अकादेमी अवार्ड सहित अनेक सम्मानों व पुरस्कारों से नवाजा गया।

श्री मदन मोहन लेंका को मयूरभंज छउ नृत्य में उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 1987 में संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री लेंका का 25 सितम्बर, 2007 को बारीपाद में निधन हो गया।

निजी परिचालन हेतु। *प्रकाशक, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी, रवीन्द्र भवन, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली – 110 001, फोन : 23387246/7/8.*
फैक्स : 23381621, ई–मेल : sangeetnatak@bol.net.in, डिजाइन व प्रोडक्शन : stetdelhi@gmail.com